

नाम	
कोमल शर्मा	
आयु	
27 वर्ष	
पता	
अपार्टमेन्ट न. 206	
स्थिति	
चार वर्ष से विवाहित	
व्यसाय	
गृहिणी	

रूचियां	पाककला, दोस्तों से वार्ता, रोमान्टिक नॉवेल पढ़ना
---------	--

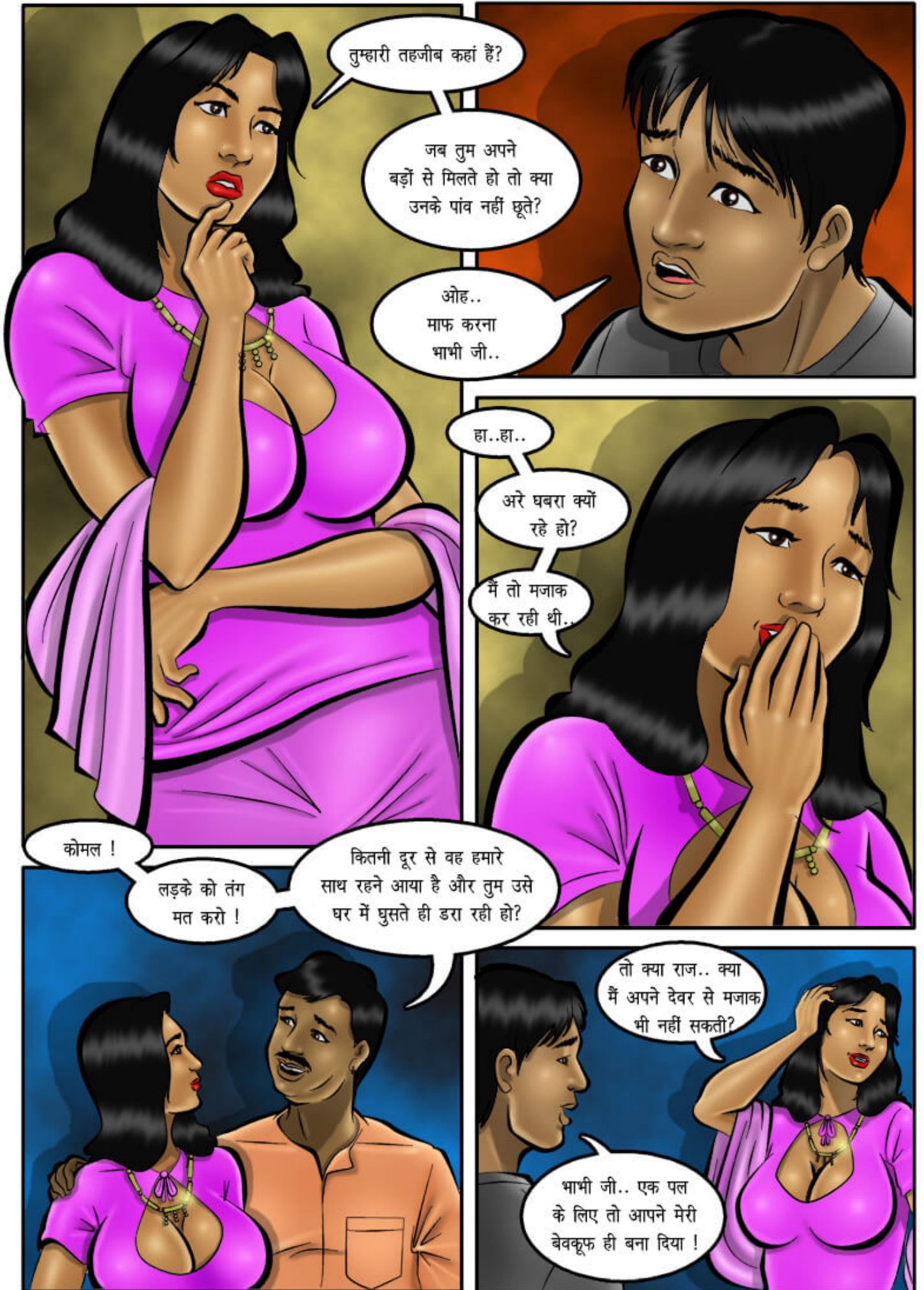
हमेशा प्रफुल्लित, मुस्कुराने और मजाक करने वाली एक सामान्य भारतीय गृहिणी !

वह अपने कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद अध्यापिका बनना चाहती थी लेकिन विवाह के बाद उसने घरेलू जीवन व्यतीत करने का निर्णय किया.

उसका पति सदा उसे अपने ऑफिस ट्रिप की वापसी पर उसके लिए उपहार लाकर खुश रखता था. कोमल अब अपना अधिकांश समय किटी पार्टियों और पाककला कक्षाओं में जाकर बिताती थी.

उसका प्रेम विवाह हुआ था लेकिन इन चार वर्षों में सारा रोमांस उड़ चुका था. उसका पति अपने ऑफिस ट्रिप्स और ओवरटाइम में इतना व्यस्त रहता था कि उसके पास अब अपनी सुन्दर पत्नी को संतुष्ट करने का समय नहीं था. वह अब भी अपने पुराने दिन याद करती थी जब वे तकरीबन हर रोज चुदाई किया करते थे ! अब उसे सिर्फ उन दिनों में चुदाई का मजा मिलता था जब उसका पति ट्रिप्स के बीच में घर आता था. वह अपनी शादी से पहले अक्षत यौवना थी और अभी तक उसने सिर्फ अपने पति के साथ सम्भोग किया था.







अगली सुबह..

जल्दी करो
अमन !

कॉलेज के पहले दिन तुम्हारी बस
छुटनी नहीं चाहिए !

ओह शिट !
मुझे पहले ही देर
हो चुकी है..

भाभी ने बताया है
कि बस अगले ही
मोड़ पर रुकती है !

शायद मुझे इतनी
तो देर नहीं...

क्या तुम देख कर
नहीं चल सकते?

तुमने मेरे कपड़े
गन्दे कर दिए !

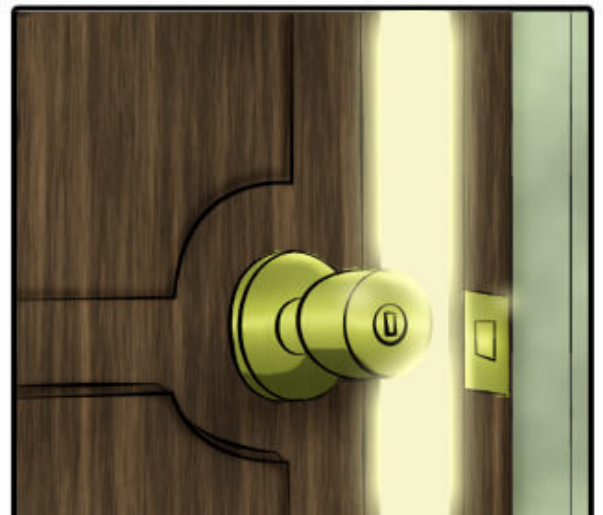
वाह !
क्या माल है !

CRASH!!!





देर रात को...







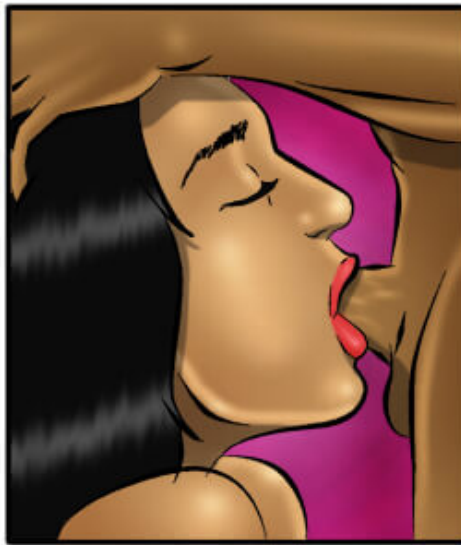


लण्ड चुसाई के बाद मुझे
इसके चेहरे पर अपना वीर्य
छोड़ना अच्छा लगता है..

अंह..
मंमम..



कोमल...
मैं तो गया !
इसे पूरा
गटक ले !



हं..हं..



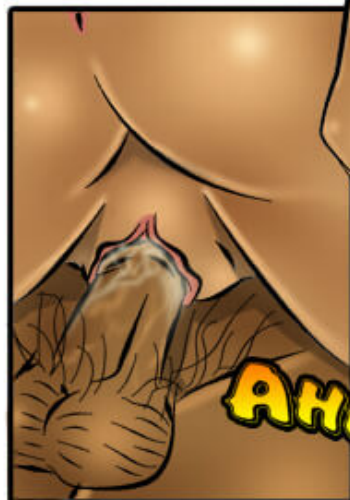
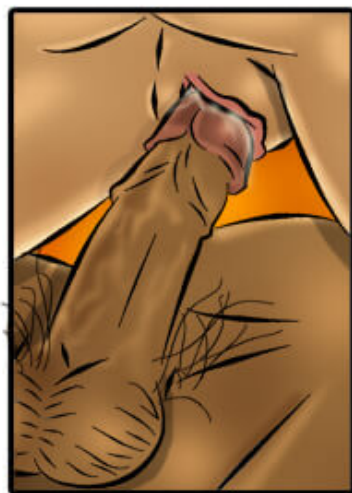
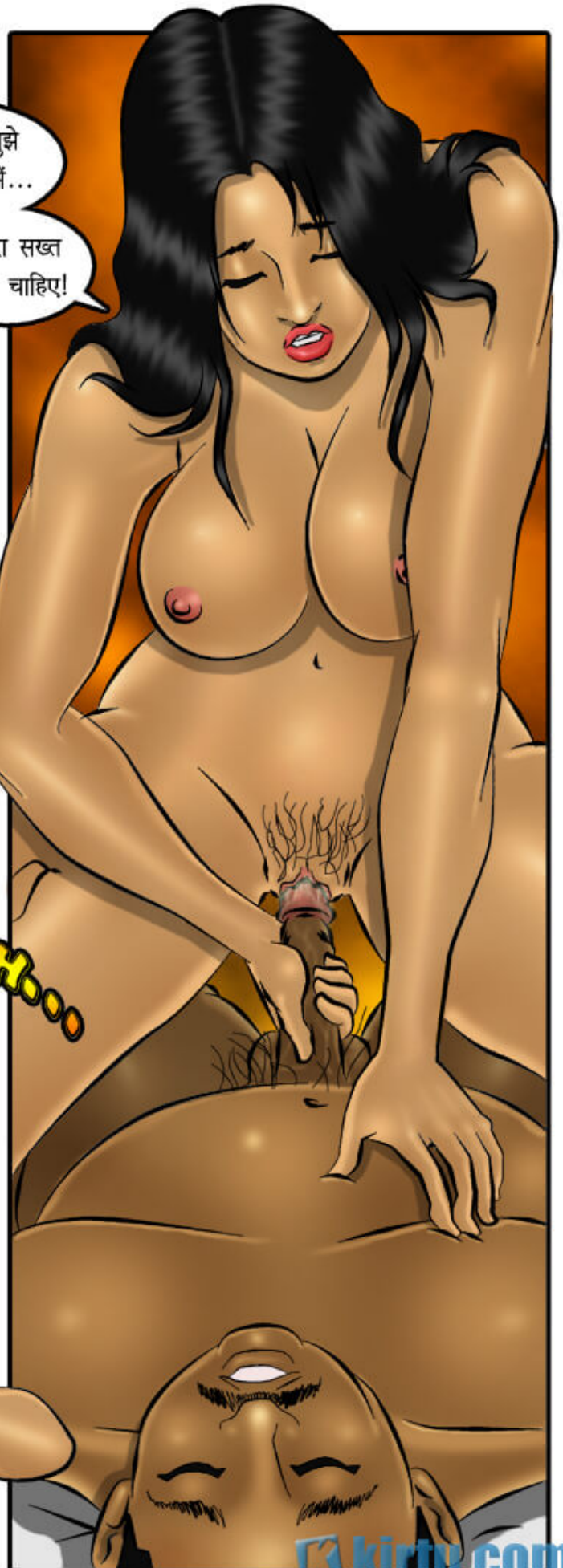
अम्मं..
हमेशा की तरह
स्वादिष्ट !



विश्वास नहीं
हो रहा कि मेरी भाभी
को वीर्य पीना पसंद
है

जानू, अब मुझे
अपनी चूत में...

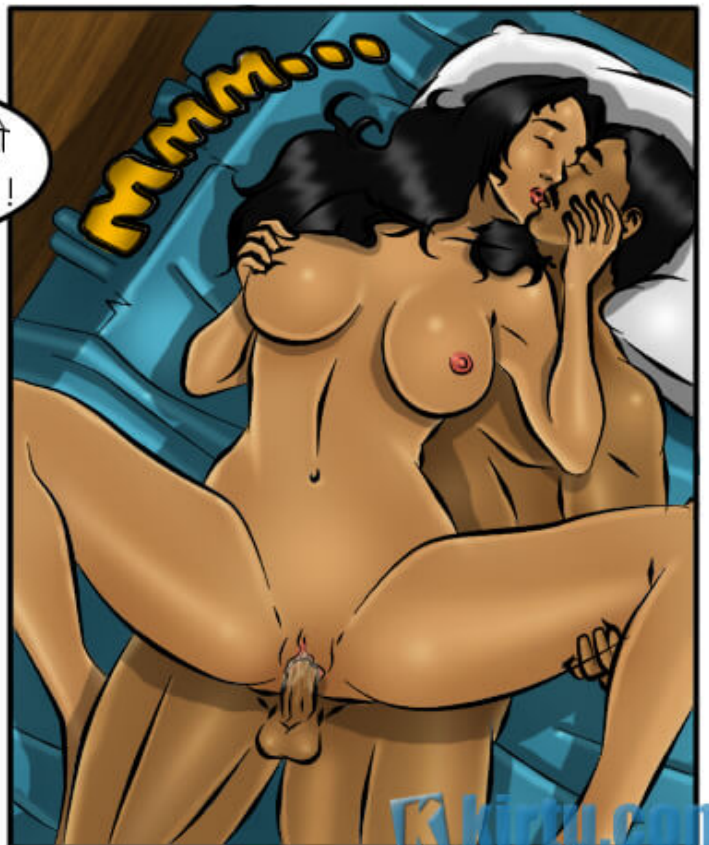
तुम्हारा सख्त
लण्ड चाहिए!

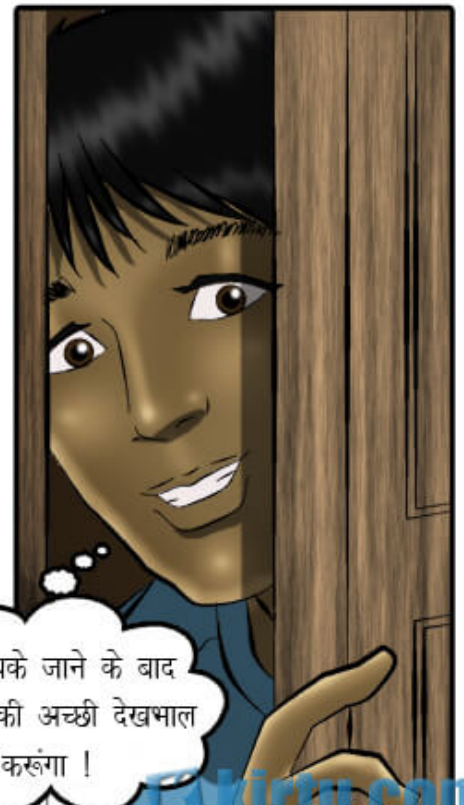


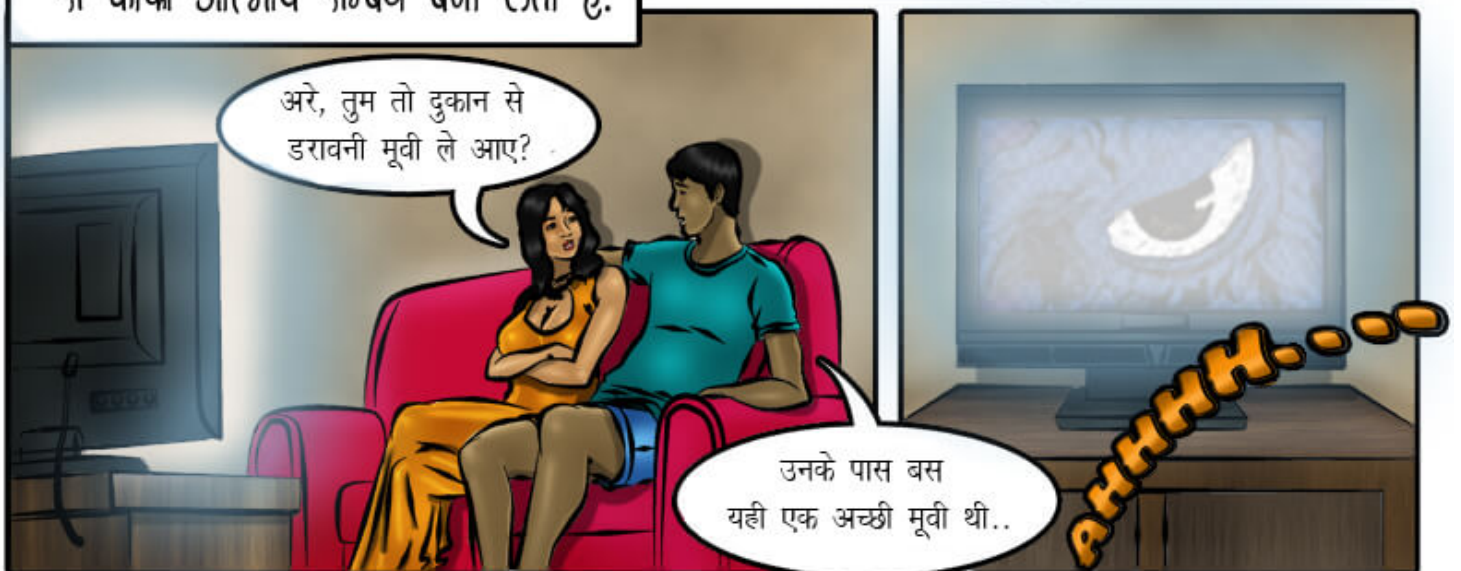
AHH...



अहहंन..आह..
कैसा लग रहा है? मेरी फुद्दी
कैसी लग रही है?













जल्दी ही...



उम्मीद है कि भाभी मेरी उत्तेजना को भांप नहीं पाएंगी..

अरे ! इसका लण्ड मेरी गाण्ड में टकरा रहा है..

ऐसा लगता है कि काफी बड़ा है..



चलो चलें ! यही खरीद लेते हैं..

अम्फं.. वे चले गए ! इससे पहले कि कोई और आ जाए, मैं बाहर निकल जाता हूँ..



ह..हां.. चलो बाहर.. और अब घर चलो !



अब किसका इंतजार कर रही हैं भाभी?

दरवाजा बंद कर लो और अपने कपड़े ठीक कर लो !



वाह ! काफी बड़ा है इसका.. राज से तो दुगना होगा..

क्या..

ओ..हां...

मेरा मतलब.. ठीक है..



उम्मीद है कि
भाभी ने मेरी
उत्तेजना को
नहीं देखा
होगा...

उम्मीद है कि उसने यह
नहीं देखा होगा कि उसके लण्ड को
देख कर मेरे चुचूक कड़े हो गए !

बाद में रात को...



अहह.. मेरे दिमाग से
भाभी क्यों नहीं निकल रही?

कितना कामुक
बदन है उनका !



आ जा मेरे पास मेरे जानू..
तेरी भाभी अपने देवर को प्यार
करना चाहती है..!



मुझे नंगी देख कर
उसका लण्ड खड़ा हो
गया था..

वो मुझे अपनी भाभी
के रूप में देख रहा था या
एक औरत के रूप में..?











हे भगवान ! अमन...

तुम अभी भी...

अरे नहीं !



इसका अभी खड़ा भी नहीं है और इसका राज से बड़ा दिख रहा है !



आज सब बुरा ही बुरा हो रहा है..



अम्मं..अमन.. मैं तुम्हें पहले ही माफ कर चुकी हूं..

तो क्या तुम मेरा एक काम करोगे?

मैं कुछ भी करने को तैयार हूं भाभी !

जल्दी ही..

क्या सच में आप मुझे
मुठ मारते देखना चाहती हैं?

मैंने आज से पहले
किसी लड़के को मुठ मारते नहीं देखा,
मैं ऐसा करतब देखना चाहती हूँ..

लेकिन अभी मेरा
खड़ा नहीं हो रहा !

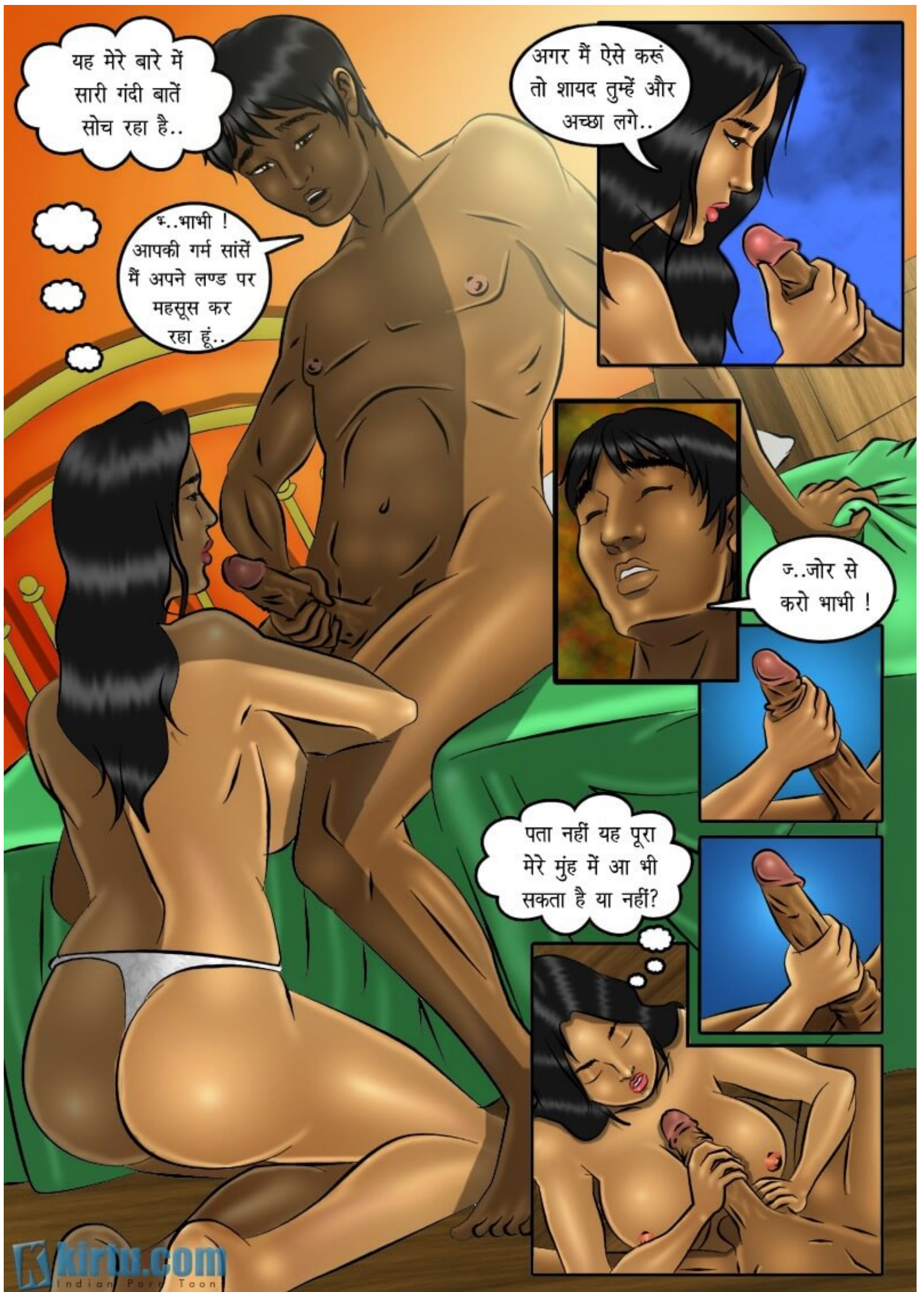
अभी थोड़ी देर पहले के
तनाव के कारण शायद !

हां, शायद यही
कारण हो !

तो मैं सोच रही हूँ कि
मैं कुछ मदद कर दूँ..

मैं उतनी गर्म तो नहीं हूँ
जितनी तुम्हारी उमर की
लड़कियां होती हैं, फिर भी
मेरे नंगे बदन को देख कर
तुम जरूर उत्तेजित
हो जाओगे..





यह मेरे बारे में
सारी गंदी बातें
सोच रहा है..

६..भाभी !
आपकी गर्म सांसों
मैं अपने लण्ड पर
महसूस कर
रहा हूँ..

अगर मैं ऐसे करूँ
तो शायद तुम्हें और
अच्छा लगे..

ज..जोर से
करो भाभी !

पता नहीं यह पूरा
मेरे मुँह में आ भी
सकता है या नहीं?





कितना तीखी
गन्ध है इसकी..

म..माफ
करना
भाभी !

पता नहीं
क्या हो गया
था मुझे !

मुझे ऐसे
नहीं करना
चाहिए था.

कितना सारा
निकला इसका !

और इसका
लण्ड अभी तक
खड़ा है..

मेरे ख्याल से मुझे
अपने कमरे में चले
जाना चाहिए !







अहह.. अमन !
इतनी जोर से नहीं !

मैंने इतना बड़ा लण्ड
कभी अपनी चूत में
नहीं लिया !

अन्दर बहुत गर्म
और गीला है..

लेकिन मजा बहुत
आ रहा है !

मुझे भी !
तुम्हारा लण्ड अदभुत है..

३..भाभी..
मैं अन्दर छुटा दूँ?

मुझे अच्छा लगा..

हे भगवान ! हां..
अन्दर छुटा दो !

लेकिन सिर्फ आज !
क्योंकि आज तुम्हारा
पहली बार है..



नहीं भाभी, अब तो मैं हर रोज
आपकी चूत चोदूंगा..

अब एक बार चोद कर
मैं पीछे नहीं हट सकता !

लेकिन मैं
राज की पत्नी हूँ...

आपको कौन
बेहतर लगा?

मैं या राज भैया?

मैं नहीं बता सकती..

Mmmmm

चाहे यह इसकी
पहली चुदाई है..

फिर भी राज से
ज्यादा अच्छा कर रहा है..

मैंने जब से
आपको राज भैया के
साथ देखा है, मैं इन
खरबूजों को मसलना
चाह रहा था..

ऊ..उ..ह
जोर से दबाओ !

चुदते वक्त मुझे अपने चुचूक
मसलवाना अच्छा लगता है..



पांच मिनट बाद...

मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैं
अभी अपने देवर से चुदी..

इस चुदाई के बारे में सोच कर ही
मेरी चूत फिर से गीली हो रही है..

मैं ऐसा दोबारा नहीं होने दूंगी !

मैं अमन से इस बारे में
बात करूंगी !

SLIDE

भाभी, मैं सोच रहा था कि
आप मेरे बदन को साफ करने में
मेरी कुछ मदद कर सकती हैं..

अ..अमन !!

इसका अभी तक कैसे
खड़ा रह सकता है?

कुछ मिनट पहले ही तो
इसने इतना सारा
वीर्य निकाला है !

आगे जारी रहेगा..



यह एक फ्री कॉमिक है
क्या आप और कॉमिक्स देखना चाहते हैं?
अभी मेम्बर बनिए और सदस्यता लीजिये!

कृपया यहाँ जाइये
SavitaBhabhi.com/subscribe

अगर आप पहले से सदस्य हैं? तो इसे नजर अंदाज कीजिये!